Report of One Day workshop on 'VIKSIT BHARAT @ 2047' (12.12.2023)

A one-day workshop on the theme 'Viksit Bharat @ 2047: Yuva ki Awaz' was organized on 12.12.2023 by the Department of Plant Sciences, Central University of Himachal Pradesh, Shahpur Campus. In this workshop, Prof. Ambrish Kumar Mahajan (Controller of Examination), Prof. Sunil Thakur (Dean, School of Life Sciences and Dean, Student Welfare), Prof. Deepak Pant (Department of Environmental Sciences) were the lead speakers.

The aim of this workshop was to convey the message of Hon'ble Prime Minister to apprise the students about their role in the development of the country so that we can achieve the target of becoming a developed nation by 2047. The theme envisagesengaging the youth by leveraging their innovative ideas in advancing the sustainable development of the country.Addressing the students and faculty members, Prof. Mahajanapprised them about the theme **Viksit Bharat @ 2047: YuvakiAwaz'**. Citing the example of one Dharamshala based NGO focusing on garbage management he emphasized upon the active participation of the students in the implementation of community based initiatives, waste awareness compaigns and recycling programs. This can be achieved through collaboration with local authorities to promote sustainable waste practices, conduct clean-updrives and educate communities on the importance of waste reduction. He mentioned that the digital India bridged services to all citizens by streamlining government processes, reducing bureaucracy and corruption. Such ideas enhance efficiency and promote transparency in various public services.Prof. Deepak Pant emphasized upon recognizing the evolving consequences of prolonged pesticide use, which is negatively impacting our environment and health today and encouraging a shift towards sustainable and integrated crop management approaches. Prof.Sunil Thakur also expressed his concern over indiscriminate use of pesticides and advocated the adoption of organic farming systems for sustainable development

in agriculture including use of vermi-compost and other organic inputs with restricted use of pesticides. The speakers also interacted with the students and encouraged them to come up with the innovative ideas and bring these ideas on the **Viksit Bharat** portal and other social media platforms.

Around 50 participants were present during the event including faculties, RD Scholars and students of School of Life Sciences, of the University. The event was organized under the Supervision of Dr. Sachin Upmanyu, Head, Department of Plant Sciences and coordinated by all faculties of the Department of Plant Sciences. The event was ended with vote of thanks.

'विकसित भारत@2047' पर एक दिवसीय कार्यशाला की रिपोर्ट
(12.12.2023)

हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय, शाहपुर परिसर के पादप विज्ञान विभाग द्वारा 12.12.2023 को 'विकसित भारत @ 2047: युवा की आवाज़' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में प्रो. अंबरीश कुमार महाजन (परीक्षा नियंत्रक), प्रो. सुनील ठाकुर (डीन, स्कूल ऑफ लाइफ साइंसेज और डीन, छात्र कल्याण), प्रो. दीपक पंत (पर्यावरण विज्ञान विभाग) मुख्य वक्ता थे। इस कार्यशाला का उद्देश्य माननीय प्रधानमंत्री का छात्रों को संदेश देना था ताकि देश के विकास में उनकी भूमिका से अवगत कराया जा सके और हम 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य प्राप्त कर सकें। छात्रों और संकाय सदस्यों को संबोधित करते हुए प्रो. महाजन ने उन्हें विकसित भारत @ 2047: युवा की आवाज' विषय के बारे में बताया। कचरा प्रबंधन पर ध्यान केंद्रित करने वाले धर्मशाला स्थित एक एनजीओ का उदाहरण देते हुए उन्होंने समुदाय आधारित पहल, कचरा जागरूकता अभियान और रीसाइक्लिंग कार्यक्रमों के कार्यान्वयन में छात्रों की सक्रियभागीदारी पर जोर दिया।इसे स्थायी अपशिष्टप्रथाओं को बढ़ावा देने, सफाई अभियान चलाने और समुदायों को अपशिष्ट कटौती के महत्व पर शिक्षित करने के लिए स्थानीय अधिकारियों के साथ सहयोग के माध्यम से प्राप्त किया जा सकता है।उन्होंने उल्लेख किया कि डिजिटल इंडिया ने सरकारी प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करके, नौकरशाही और भ्रष्टाचार को कम करके सभी नागरिकों को सेवाएं प्रदान की हैं। ऐसे विचार विभिन्न सार्वजनिक सेवाओं में दक्षता बढ़ाते हैंऔर पारदर्शिता को बढ़ावा देते हैं।प्रोफेसर दीपक पंत ने लंबे समय तक कीटनाशकों के उपयोग के उभरते परिणामों को पहचानने पर जोर दिया, जो आज हमारे पर्यावरण और स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव डाल रहा है और टिकाऊ और एकीकृत फसल प्रबंधन दृष्टिकोण की ओर बदलाव को प्रोत्साहित कर रहा है।प्रोफेसर सुनील ठाकुर ने भी कीटनाशकों के अंधाधुंध उपयोग पर अपनी चिंता व्यक्त की और कृषि में सतत विकास के लिए कीटनाशकों के प्रतिबंधित उपयोग के साथ वर्मी-कम्पोस्ट और अन्य जैविक आदानों के उपयोग सहित जैविक कृषिप्रणालियों को अपनाने की वकालत की।वक्ताओं ने छात्रों के साथ भी

बातचीत की और उन्हें नवीन विचारों के साथ आने और इन विचारों को विकासशील भारत पोर्टल और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर लाने के लिए प्रोत्साहित किया।

कार्यक्रम के दौरान पादप विज्ञान विभाग के शिक्षक, पीएचडी और छात्र सहित लगभग 50 प्रतिभागी उपस्थित थे। यह कार्यक्रम पादप विज्ञान विभाग के प्रमुख डॉ. सचिन उपमन्यु की देखरेख में आयोजित किया गया और पादप विज्ञान विभाग के सभी शिक्षकों द्वारा समन्वयित किया गया। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ किया गया।